मंगलवार, 04 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

बुमराह बाहर, आकिब नबी की एंट्री; जम्मू-कश्मीर के पहले खिलाड़ी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

कंगना रनौत का ट्रोलर्स को जवाब, बोलीं- 'मुझे अपनी विचारधारा चुनने की आजादी क्यों नहीं?'

Page-05

बृजभूषण सिंह बरी

तीन साल पुराने मामले में अदालत के फैसले से बदला सियासी माहौल

- दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में बरी कर दिया।
- सरकारी पक्ष ने कहा है कि विस्तृत आदेश का अध्ययन करने के बाद जरूरत पड़ने पर उच्च अदालत में आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

करीब तीन वर्षों तक देश की राजनीति, खेल जगत और मीडिया में चर्चा का केंद्र रहे पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत से बड़ी राहत मिली है। महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह और तत्कालीन WFI सहायक सचिव विनोद तोमर को बरी कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद मामले को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर भी तेज हो गया है।यह मामला अप्रैल 2023 में उस समय राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आया था, जब छह महिला पहलवानों की शिकायत पर दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में FIR दर्ज की गई थी। इसी दौरान एक नाबालिग पहलवान की शिकायत के आधार पर पॉक्सो कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों ने लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कई विपक्षी दलों के नेता भी शामिल हुए थे और मामला राजनीतिक बहस का प्रमुख मुद्दा बन गया था।जून 2023 में दिल्ली पुलिस ने करीब 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें चार राज्यों के 22 गवाहों के बयान शामिल थे। बाद में नाबालिग शिकायतकर्ता और उसके पिता ने अपने आरोप वापस ले लिए। इसके बाद पुलिस ने पॉक्सो मामले को समाप्त करने का अनुरोध किया था, जिसे मई 2025 में अदालत ने स्वीकार कर लिया। मई 2024 में अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में आरोप तय किए। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 32 गवाह पेश किए। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि शिकायतकर्ताओं के बयान मुकदमे के दौरान लगातार बने रहे और अन्य गवाहों ने भी उनका समर्थन किया। शिकायतकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन ने यह तर्क दिया था कि खेल संघ के शीर्ष पद पर आरोपी के प्रभाव और शक्ति के असंतुलन के कारण शिकायत दर्ज कराने में देरी को समझा जाना चाहिए।अदालत के फैसले के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने राहत जताई और कहा कि उन्हें शुरू से अपने ऊपर लगे आरोपों के संबंध में न्याय मिलने का भरोसा था। उन्होंने अपनी कानूनी टीम का आभार जताते हुए कहा कि विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद ही वह मामले पर विस्तार से टिप्पणी करेंगे।दूसरी ओर, सरकारी पक्ष ने संकेत दिया है कि विस्तृत न्यायिक आदेश का अध्ययन करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। अदालत के फैसले ने फिलहाल तीन साल पुराने इस विवाद में एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त कर दिया है, लेकिन इसके राजनीतिक और कानूनी प्रभाव आगे भी चर्चा में बने रहने की संभावना है।

E20 पेट्रोल के खिलाफ AAP का अभियान तेज

केजरीवाल बोले- PM आवास तक मार्च कर सौंपेंगे याचिका

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने E20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध तेज करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने कहा कि वह मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च का नेतृत्व करेंगे और वहां E20 पेट्रोल के रोलआउट के खिलाफ लोगों के हस्ताक्षर वाली याचिका सौंपने की कोशिश करेंगे। उनके मुताबिक इस ऑनलाइन याचिका पर अब तक 2 लाख से ज्यादा लोगों के हस्ताक्षर हो चुके हैं।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर E20 पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए मुलाकात का समय मांगा था, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने खुद प्रधानमंत्री तक लोगों की शिकायतें पहुंचाने का फैसला किया है।केजरीवाल का दावा है कि याचिका में उन वाहन मालिकों की शिकायतें शामिल हैं, जो E20 यानी इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर समस्याओं की बात कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से पेट्रोल पंपों पर सामान्य पेट्रोल और E20 दोनों विकल्प उपलब्ध कराने तथा इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की कीमत कम करने की मांग दोहराई।AAP नेता ने केंद्र सरकार की इथेनॉल नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका से इथेनॉल खरीदने को लेकर भारत पर दबाव है और सरकार लगातार इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, ये आरोप केजरीवाल के राजनीतिक दावे हैं।

बांकीपुर में बड़ा उलटफेर

प्रशांत किशोर की जीत से बदला सियासी समीकरण

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नया संदेश दिया है। सोमवार को घोषित परिणाम में जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बीजेपी के मजबूत माने जाने वाले गढ़ में बड़ी जीत दर्ज की। प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 18,953 वोटों के अंतर से हराया। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल यानी RJD तीसरे स्थान पर रही।बांकीपुर सीट पर हुए इस चुनाव को बीजेपी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि यह सीट लंबे समय से पार्टी के प्रभाव वाले क्षेत्रों में शामिल रही है। 1990 से बांकीपुर, जिसे उस समय पटना पश्चिम विधानसभा सीट के नाम से जाना जाता था, बीजेपी का मजबूत आधार रहा है।1990 से 2005 तक नवीन किशोर इस सीट से लगातार विधानसभा चुनाव जीतते रहे।नवीन किशोर के निधन के बाद उनके बेटे नितिन नवीन ने 2006 में हुए उपचुनाव में जीत दर्ज की और पहली बार विधायक बने। इसके बाद उन्होंने लंबे समय तक बांकीपुर सीट का प्रतिनिधित्व किया। 2025 तक नितिन नवीन इस सीट से विधायक रहे। उनके बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने और राज्यसभा जाने के बाद यह सीट खाली हुई, जिसके चलते उपचुनाव कराया गया।प्रशांत किशोर की जीत ने इस सीट के पुराने राजनीतिक समीकरण को बदल दिया है। जनसुराज पार्टी के लिए यह परिणाम खास महत्व रखता है, क्योंकि उसने बीजेपी के लंबे समय से मजबूत माने जा रहे चुनावी आधार को चुनौती दी है।नतीजे सामने आने के बाद प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता सम्राट चौधरी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं करती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता और करीब 30 वर्षों से बीजेपी के कब्जे वाली सीट पर बदलाव होने में ज्यादा समय नहीं लगा।

रमेश बिधूड़ी का विवादित बयान

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर बोले- छात्रों से ज्यादा थे 'पंचर-चाबी बनाने वाले'

बीजेपी के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन में छात्रों की संख्या कम थी, जबकि 'पंचर बनाने वाले' और 'चाबी बनाने वाले' लोगों की संख्या अधिक थी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ने की संभावना है।प्रदर्शन को लेकर अपनी बात रखते हुए बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर मौजूद भीड़ में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी, जिनका छात्र आंदोलन से सीधा संबंध नहीं था। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल लोगों की पहचान को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी।बिधूड़ी ने प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या कोई व्यक्ति अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए ऐसी भाषा स्वीकार करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले लोग प्रदर्शन के वास्तविक उद्देश्य से जुड़े नहीं थे।बीजेपी के पूर्व सांसद ने यह भी दावा किया कि कुछ 'असामाजिक तत्वों' ने NEET के मुद्दे पर Gen Z यानी युवा पीढ़ी को कथित तौर पर गुमराह कर जंतर-मंतर पर इकट्ठा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन के जरिए संसद की ओर बढ़ने और देश में अशांति पैदा करने की कोशिश की गई। बिधूड़ी ने कहा कि युवाओं को किसी भी मुद्दे पर जानकारी के आधार पर अपनी राय बनानी चाहिए और उन्हें देश की मौजूदा स्थिति के साथ-साथ पिछले वर्षों के घटनाक्रम की भी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को कथित तौर पर गुमराह करने वालों से सावधान रहने की जरूरत है। प्रदर्शन में शामिल लोगों की वास्तविक संख्या और उनकी पहचान को लेकर उनके दावों की स्वतंत्र पुष्टि इस जानकारी में नहीं दी गई है। ऐसे में उनके बयान को राजनीतिक आरोप के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

दतिया चुनाव में में बड़ा उलटफेर

दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच था। दतिया में वोटिंग 30 जुलाई को हुई थी। वहीं, चुनाव का परिणाम सोमवार 3 अगस्त को सामने आया। चुनाव के रिजल्ट में कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह को 66757 वोट मिले। वहीं, भाजपा के आशुतोष तिवारी को वोट 6074। मिले। इसके साथ ही कांग्रेस के घनश्याम सिंह को 6025 वोट से जीत मिली।आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने दतिया उपचुनाव में आशुतोष तिवारी पर दांव खेला था। वहीं, बीजेपी के आशुतोष तिवारी के खिलाफ कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को चुनावी मैदान में उतारा था। आपको बता दें कि दतिया सीट पर पहले बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा दावेदार थे लेकिन बीजेपी ने ऐन मौके पर नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को दे दिया। टिकट कटने की वजह से नरोत्तम के समर्थकों में बेहद गुस्सा था और अब ये दतिया के परिणाम में नजर भी आ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा दतिया से चुनाव हार गए थे।

NEET प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

छात्रों के खिलाफ FIR पर राज्यों को मिली राहत की राह

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को NEET पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े छात्र प्रदर्शनकारियों को लेकर अहम टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारें छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR को कानून के मुताबिक वापस लेने या बंद करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह स्पष्टीकरण जंतर-मंतर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में राहत का रास्ता खोल सकता है।सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उसके पहले के आदेश को स्पष्ट करते हुए सामने आई। अदालत 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन से संबंधित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। मामले में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई, FIR दर्ज करने और कथित तौर पर बल प्रयोग किए जाने जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।सुनवाई के दौरान अदालत ने आपराधिक इतिहास को लेकर अपनी पिछली टिप्पणी का दायरा भी स्पष्ट किया। कोर्ट ने कहा कि गंभीर अपराधों जैसे हत्या, बलात्कार, आतंकवाद और इसी तरह के गंभीर मामलों में आरोपी लोगों पर आपराधिक इतिहास से जुड़ी टिप्पणी लागू होगी। इसका अर्थ है कि मामूली अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे छात्रों को उसी श्रेणी में नहीं रखा जाएगा और वे उपलब्ध कानूनी राहत के लिए पात्र हो सकते हैं।अदालत ने यह भी संकेत दिया कि प्रदर्शन से जुड़े पूरे मामले की जांच के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित करने पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा बेंच ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विस्तृत प्रोटोकॉल तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कोर्ट इस पर विचार करेगा कि पैलेट गन का इस्तेमाल किया जाना चाहिए या नहीं और यदि किया जाए तो किन परिस्थितियों में इसकी अनुमति होनी चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि सरकार इस मामले में गंभीरता से काम कर रही है

और अपना हलफनामा दाखिल करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मामले को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखने से कोई फायदा नहीं होगा। केंद्र की ओर से यह भी बताया गया कि सरकार संबंधित पक्ष के वकील से बातचीत कर रही है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी।

सेउटा में माइग्रेंट संकट से बढ़ा तनाव अमेरिका ने जारी की लेवल-3 ट्रैवल एडवाइजरी

स्पेन के सेउटा में बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स के बॉर्डर पार करने की कोशिश के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।बदलते हालात को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों को सेउटा की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है।स्पेन ने भी बॉर्डर सुरक्षा कड़ी करते हुए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई है, जिससे यूरोप में माइग्रेशन नीति को लेकर बहस तेज हो गई है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

स्पेन के सेउटा सिटी में अचानक बढ़े माइग्रेंट संकट ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। बड़ी संख्या में लोगों के बॉर्डर पार करने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इस स्थिति को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए यात्रा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सेउटा के लिए ट्रैवल एडवाइजरी को लेवल-3 तक बढ़ा दिया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी नागरिकों को इस इलाके की यात्रा पर दोबारा विचार करने की सलाह दी गई है।अमेरिका ने चेतावनी दी है कि बड़ी संख्या में अनियंत्रित माइग्रेंट्स की एंट्री से सुरक्षा हालात खतरनाक हो सकते हैं। वहीं, स्पेन सरकार ने भी स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोरक्को की तरफ से बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स ने सेउटा में प्रवेश करने की कोशिश की। करीब 60 हजार लोगों के बॉर्डर क्षेत्र में पहुंचने से स्थानीय प्रशासन पर दबाव बढ़ गया। कई लोगों ने समुद्री रास्तों और बॉर्डर बैरियर को पार करने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। स्पेन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना, नेशनल पुलिस और गार्डिया सिविल के जवानों को तैनात किया। कई लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि कुछ को वापस भेज दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि सेउटा में तेजी से बदलते हालात यात्रियों के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से अमेरिकी नागरिकों को वहां जाने से बचने की सलाह दी गई है। अमेरिका की यह चेतावनी सिर्फ सेउटा इलाके के लिए है। स्पेन के बाकी हिस्सों के लिए यात्रा सलाह में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पेन की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के बिना ऐसी घटनाएं भविष्य में भी परेशानी पैदा कर सकती हैं। माइग्रेंट संकट के बाद स्पेन सरकार ने बॉर्डर सुरक्षा को और मजबूत करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सेउटा में सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने की बात कही है। सरकार अवैध प्रवेश रोकने और मानव तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। इस घटना ने यूरोप में माइग्रेशन को लेकर चल रही राजनीतिक बहस को फिर तेज कर दिया है। कई देशों में बॉर्डर सुरक्षा और अवैध प्रवास को लेकर चिंता बढ़ रही है। बता दें सेउटा संकट अब सिर्फ स्पेन की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे यूरोप की सुरक्षा और माइग्रेशन नीति के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

रूस का बड़ा दावा: Su-57 ने यूक्रेन युद्ध में पहली बार किया 'एयर-टू-एयर किल'

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूस ने पहली बार दावा किया है कि उसके पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट Su-57 ने यूक्रेन युद्ध में पहला शिकार किया है। रूस ने कहा है कि एसयू 57 लड़ाकू विमान ने हाइब्रिड RVV-SDM मिसाइल का इस्तेमाल करके अपना पहला 'एयर-टू-एयर किल' किया है। रूस की सरकारी हथियार कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के महानिदेशक अलेक्जेंडर मिखेव ने कहा कि इस स्टील्थ विमान ने जमीन और हवा में लक्ष्यों को भेदने सहित युद्ध के सभी पहलुओं में अपनी श्रेष्ठता साबित की है।उन्होंने कहा कि इससे Su-57E पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में दुनिया की दिलचस्पी बढ़ रही है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी TASS ने मिखेव के हवाले से कहा 'रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने Su-57E पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट में वैश्विक बाजार की बढ़ती दिलचस्पी को नोट किया है। इसने सबसे उन्नत एयर डिफेंस और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का मुकाबला करते हुए वास्तविक युद्ध स्थितियों में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। रूस ने कहा है कि इस विमान ने रूसी एयर-टू-एयर हथियारों जिसमें लेटेस्ट RVV-SDM गाइडेड मिसाइल भी शामिल है उसका इस्तेमाल करके हवा, जमीन और सतह पर मौजूद कई लक्ष्यों को निशाना बनाया है। RVV-SDM मिसाइल को रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने बनाया है और ये एक नई मीडियम-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है। इसे पांचवीं पीढ़ी के Su-57E स्टील्थ फाइटर के एक्सपोर्ट वर्शन में लगाने के लिए बनाया गया है। इसमें 'फायर-एंड-फॉरगेट' क्षमता, एक्टिव-पैसिव रडार गाइडेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (इलेक्ट्रॉनिक युद्ध) का सामना करने की मजबूत क्षमता है।

मुंबई के सिद्धि विनायक मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला चर्चा में

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मुंबई के सिद्धि विनायक मंदिर में चढ़ावा चोरी पर आज ट्रस्ट ने पहली बार सफाई दी। ट्रस्ट ने कहा कि चढ़ावा चोरी हुई है लेकिन ये उन्होंने नहीं की, इसमें शिवसेना यूबीटी यानी उद्धव की पार्टी के कार्यकर्ताओं का हाथ है। ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर ने कहा कि 21 मार्च को पहली बार चोरी पकड़ी गई। सीसीटीवी फुटेज के जरिए 8 लोगों को चोरी करते पकड़ा गया। उनकी गिरफ्तारी हुई, जेल भेजा गया। उनमे कुछ कर्मचारी शिवसेना यूबीटी से जुड़े हुए थे। इसके बाद 45 कर्मचारियों पर एक्शन हुआ।इनमे वो कर्मचारी भी शामिल थे, जो भक्तों के साथ वीआईपी दर्शन के नाम पर ठगी कर रहे थे। सदा सरवणकर ने कहा कि पहले एक सप्ताह में चढ़ावे की रकम 45 लाख तक आती थी, जो बढ़कर अब 98 लाख हो गई है। उन्हें शक है कि चढ़ावे में हेरफेर कर ट्रस्ट को 12 करोड़ रुपये साल का चूना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि ये बात सच है कि ट्रस्ट ने ही एसीबी को जांच के लिए कहा था। ऑडिट कराने की मांग की थी लेकिन चोरी से मौजूदा ट्रस्ट का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने तो व्यवस्थाएं ठीक की हैं। मंदिर में दलालों का नेटवर्क तोड़ा है, जिससे चढ़ावे की रकम अचानक बढ़ गई है। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "क्या कोई जानबूझकर हमारे सिद्धिविनायक मंदिर की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है? क्या इसके पीछे कोई साजिश है? पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राज ठाकरे ने मंदिर में कथित अनियमितताओं से जुड़ा एक पत्र पढ़कर सुनाया था। मैंने स्वयं मंदिर में हो रही कथित गड़बड़ियों की शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) से की थी। इसके बाद ACB ने जांच शुरू की, ट्रैप भी लगाए गए। बाद में सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देने वाले ट्रस्ट के कुछ कर्मचारियों को हटाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद ट्रस्ट के कर्मचारी राजन पेंडुलकर को गिरफ्तार किया गया और उसके साथ 9 अन्य लोग भी इस मामले में शामिल पाए गए।

पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में शांति रैली के दौरान धमाका

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान से धमाके की बड़ी खबर आई है। दरअसल, नॉर्थ-वेस्ट पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आज (रविवार को) एक शांति रैली के दौरान हुए ब्लास्ट में 14 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा के अफसरों के मुताबिक, यह धमाका स्वात जिले के कबाल कस्बे में स्वात शांति रैली में हुआ। स्वात पुलिस ने कहा कि 14 लोगों की जान चली गई है जबकि करीब 15 लोग गंभीर तौर पर घायल हैं।सूत्रों के मुताबिक, स्वात की रैली में धमाका फिदायीन हमले जैसा लग रहा है। हालांकि, इसकी तुरंत कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। स्वात में इस शांति रैली का आयोजन स्वात अमन जिरगा यानी स्थानीय जनजातीय परिषद की तरफ से किया गया था। रैली की मकसद इलाके में शांति स्थापित करने की मांग करना था। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। गौरतलब है कि स्वात में पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा की स्थिति बिगड़ी हुई है। अफसरों के मुताबिक, रेस्क्यू टीम ने धमाके में घायल लोगों को पास के हॉस्पिटल्स में एडमिट कराया जबकि पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इससे पहले बीते 26 जुलाई को भी खैबर पख्तूनख्वा में जोरदार धमाका हुआ था और उसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार, यह वारदात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में हुई थी। सलारजई तहसील की ताली बांध के नजदीक धमाके की चपेट में आने से दो लोगों की जान चली गई थी। पुलिस के अनुसार, धमाके में मारे गए लोगों की पहचान बाजौर के निवासी गुलाम और सुलेमान कारी के रूप में हुई थी।

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रविवार को ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया कि तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ संभावित समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी; ईरान का कहना है कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। ईरानी मीडिया ने ट्रंप के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि तेहरान ने अमेरिका से नियोजित सैन्य हमलों को रोकने के लिए कहा था। मीडिया ने इस दावे को "एक और झूठ" बताया और कहा कि जब तक अमेरिका की "दुश्मनी भरी कार्रवाई" जारी रहेगी, तब तक यह रणनीतिक जलमार्ग बंद रहेगा। ईरान की सेमी-ऑफिशियल फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने देश की बातचीत करने वाली टीम के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को फिर से खोलने पर कोई समझौता नहीं हुआ है। एजेंसी ने एक जानकार सूत्र के हवाले से कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के बारे में कोई समझौता नहीं हुआ है। सूत्र ने आगे कहा कि जब तक अमेरिका अपनी दुश्मनी भरी हरकतें जारी रखेगा, तब तक यह जलमार्ग बंद रहेगा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ पांच महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने शनिवार शाम को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा। उन्होंने कहा कि इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार ईरान पर हमले रोकने की घोषणा कर चुके हैं लेकिन हर बार हालात फिर बिगड़ गए और दोनों पक्षों के बीच संघर्ष दोबारा शुरू हो गया। ईरान के रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि ट्रंप की हालिया घोषणा से ईरान न तो हैरान है और न ही ढिलाई बरत रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से मिलने वाली धमकियों के मद्देनजर ईरान पूरी तरह सतर्क और सजग बना हुआ है।

संपादक की कलम से

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा बृजभूषण शरण सिंह को कथित यौन उत्पीड़न के मामले में बरी किए जाने के बाद एक लंबे समय से चल रहा कानूनी विवाद नए मोड़ पर पहुंच गया है। अदालत का फैसला निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण न्यायिक पड़ाव है और किसी भी आरोपी के लिए अदालत द्वारा दोष सिद्ध न किया जाना कानून की प्रक्रिया का सम्मान करने का विषय है। लेकिन इस फैसले के साथ यह समझना भी जरूरी है कि अदालत का निर्णय आरोपों की सार्वजनिक बहस को स्वतः समाप्त नहीं करता।इस पूरे विवाद ने भारतीय खेल व्यवस्था, खासकर महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। देश की कई प्रमुख महिला पहलवानों ने तत्कालीन कुश्ती महासंघ के नेतृत्व के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद हुए विरोध-प्रदर्शन ने खेल संगठनों में जवाबदेही और खिलाड़ियों के अधिकारों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया था।अब अदालत के फैसले के बाद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मामले को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाकर संस्थागत सुधार के नजरिए से देखा जाए। यदि किसी खिलाड़ी को अपने साथ अनुचित व्यवहार या उत्पीड़न की शिकायत है, तो उसे बिना दबाव, भय या राजनीतिक प्रभाव के अपनी बात रखने का भरोसा होना चाहिए। शिकायत की जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से होनी चाहिए।दूसरी ओर, किसी भी आरोपी को केवल सार्वजनिक आरोपों के आधार पर दोषी मान लेना भी न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। अदालत ने जो फैसला दिया है, उसका सम्मान किया जाना चाहिए। बृजभूषण सिंह ने भी विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद ही आगे टिप्पणी करने की बात कही है। ऐसे में राजनीतिक दलों और समर्थकों को भी संयम बरतने की जरूरत है।यह मामला केवल एक व्यक्ति के पक्ष या विपक्ष का सवाल नहीं है। असली परीक्षा यह है कि क्या भारतीय खेल संस्थाएं ऐसी व्यवस्था बना सकती हैं, जहां खिलाड़ी बिना डर अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और हर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो। अदालत का फैसला अपनी जगह है, लेकिन खेलों में सुरक्षित और जवाबदेह माहौल सुनिश्चित करना व्यवस्था की स्थायी जिम्मेदारी है।न्यायालय ने एक मामले में अपना निर्णय दिया है। अब खेल प्रशासन और सरकार की जिम्मेदारी है कि इस पूरे विवाद से सबक लेकर ऐसी व्यवस्था मजबूत करें, जिसमें न खिलाड़ी की आवाज दबे और न किसी निर्दोष व्यक्ति को बिना प्रमाण दोषी ठहराया जाए। यही न्याय और संस्थागत विश्वसनीयता का वास्तविक संतुलन होगा।

बृजभूषण सिंह यौन उत्पीड़न मामले में बरी बोले- 'मुझे भरोसा था कि न्याय मिलेगा'

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया।फैसले के बाद सिंह ने इसे अपने और समर्थकों के लिए राहत का पल बताया और कहा कि उन्हें शुरू से न्याय मिलने का भरोसा था।वहीं, उनके बेटे कर्ण भूषण ने कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि आज न्याय मिला है और इसे लेकर जश्न मनाया जाएगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महिला पहलवानों की ओर से दर्ज कराए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया है। वहीं कोर्ट के द्वारा बरी किए जाने के बाद WFI के पूर्व प्रमुख और BJP नेता बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। इस फैसले को अपने और अपने समर्थकों के लिए राहत का पल बताते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा यही कहा था कि अगर अदालत में उन पर लगा कोई भी आरोप साबित होता है, तो वे उसका नतीजा भुगतने के लिए तैयार हैं। बृजभूषण सिंह ने राजनीति में वापसी को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, "होइहि सोइ जो राम रचि राखा" (जो होना है, वही होगा, जैसा भगवान राम ने तय किया है)। बृजभूषण शरण सिंह ने अपनी कानूनी टीम का शुक्रिया अदा किया और कहा कि जब तक वे अदालत का पूरा फ़ैसला नहीं पढ़ लेते, तब तक वे इस पर कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "पहले दिन, जब मेरा पहला बयान आया था, तो मैंने कहा था कि अगर कोई फ़ैसला या कोई आरोप साबित हो जाता है, तो मैं फांसी लगा लूंगा। आज, कोर्ट ने मुझे सम्मान के साथ बरी कर दिया है। यह मेरे और मेरे समर्थकों के लिए खुशी की बात है। आज खुशी का दिन है।" उन्होंने आगे कहा कि भले ही फ़ैसले से राहत मिली है, लेकिन केस पर आगे कोई भी टिप्पणी करने से पहले वह कोर्ट के विस्तृत आदेश का इंतज़ार करेंगे। आज, लगभग तीन साल बाद, कोर्ट ने मुझे और विनोद को सम्मानपूर्वक बरी कर दिया है। मैंने हमेशा कमज़ोर लोगों और उनके अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई है। मुझे पूरा भरोसा था कि मुझे न्याय मिलेगा, और मैंने कभी खुद को दोषी महसूस नहीं किया। हम उन जूनियर एथलीटों के लिए लड़ रहे थे जिनके अधिकारों का हनन हो रहा था, और मुझे खुशी है कि हम वह लड़ाई जीत गए।बृजभूषण सिंह ने कहा, "मैं आज किसी को बद्दुआ नहीं दूंगा, लेकिन सब जानते हैं किसने क्या किया है? अगर भगवान राम के खिलाफ मंथरा और कैकई ने साजिश नहीं की होती तो भगवान राम केवल अयोध्या के राजा ही रह जाते। लोग ऐसे आरोपों में आत्महत्या कर लेते हैं, जहर खा लेते हैं, लेकिन मेरा संबल बना रहा। मुझे शुरू से मालूम था, इसलिए मेरे चेहरे पर पहले भी मुस्कान रहती थी। लोगों को अहंकार लगता था, लेकिन मुझे और मेरे परिवार को पता था।" उन्होंने आगे कहा, "विपक्ष का क्या है, हमारा विपक्ष कभी महिलाओं के पीछे कभी Gen-Z के पीछे, कभी एथेनॉल के पीछे रहता है। ये तो पीछे से वार करने वाले हैं।"वहीं दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर बृजभूषण सिंह के बेटे कर्ण भूषण ने कहा, "आज न्याय मिला इस बात की बहुत खुशी है। आज जमकर जश्न मनेगा, मीडिया भी आमंत्रित है। न्यायालय के फैसले से न्याय हुआ है।"

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का कैबिनेट विस्तार, 20 नए मंत्री आज लेंगे शपथ

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता में वापसी के बाद लंबे समय से चल रही मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं पर अब विराम लग गया है। कांग्रेस आलाकमान ने राज्य सरकार में 20 नए मंत्रियों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र में इसकी पुष्टि की गई है। इसके साथ ही राज्य की राजनीति में कैबिनेट विस्तार को लेकर चल रही अटकलों का दौर खत्म हो गया है।कांग्रेस ने इस विस्तार के जरिए क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है। पार्टी के कई प्रमुख और प्रभावशाली विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। नए मंत्रियों के शामिल होने के बाद सरकार में अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ने की उम्मीद है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इससे संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी।कैबिनेट विस्तार पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक सरकार के वरिष्ठ मंत्री प्रियंक खरगे ने कांग्रेस के मजबूत जनाधार और पार्टी में मौजूद नेतृत्व की क्षमता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास 140 से अधिक विधायक हैं, जो राज्य के अलग-अलग जिलों और विभिन्न सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में सीमित संख्या में मंत्रियों का चयन करना पार्टी नेतृत्व के लिए आसान फैसला नहीं था।प्रियंक खरगे ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यदि जनता को सरकार के कामकाज से कोई शिकायत नहीं है और सरकार सही दिशा में काम कर रही है, तो भाजपा को भी कैबिनेट विस्तार पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उनके इस बयान को विपक्ष के सवालों का जवाब माना जा रहा है।नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आज शाम 4 बजे लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में नेताओं, कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।वहीं, बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने भी लोगों के लिए विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट यानी CBD क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक रूट डायवर्जन और कुछ यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने और ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है।

जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू पर तीखा हमला किया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

युवजन श्रमिक रायतू कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था खत्म हो गई है और जंगल राज चल रहा है, जिसमें विपक्ष के खिलाफ बदले की राजनीति की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर जारी एक लंबे बयान में, YSRCP प्रमुख ने हाल ही में आधी रात को हुई पुलिस की छापेमारी और पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। रेड्डी ने खास तौर पर अलूर के विधायक विरूपाक्षी के मामले का ज़िक्र किया। जगन ने कहा कि नारा चंद्रबाबू नायडू के शासन में कानून-व्यवस्था का बुरा हाल है। हमलावरों को सुरक्षा मिलती है और पीड़ितों पर आपराधिक मामले दर्ज किए जाते हैं: यह बदले की राजनीति है। मिस्टर चंद्रबाबू नायडू, आज आंध्र प्रदेश में असल में क्या हो रहा है? अगर हमला करने वाले सत्ताधारी पार्टी के हों, तो उन्हें बचाया जाता है। अगर पीड़ित YSR कांग्रेस पार्टी के हों, तो उन पर आपराधिक मामले दर्ज किए जाते हैं। अगर जन-प्रतिनिधि पीड़ितों का साथ देते हैं, तो उन पर भी केस दर्ज कर लिया जाता है। जो लोग सरकार से सवाल पूछते हैं, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। जो लोग सरकार को जवाबदेह ठहराने की हिम्मत करते हैं, उन्हें आधी रात को पुलिस की छापेमारी का सामना करना पड़ता है और उनके दरवाज़े तोड़ दिए जाते हैं। क्या यही लोकतंत्र है? क्या यही न्याय है? क्या यही कानून का शासन है? YSRCP प्रमुख ने सुबह-सुबह एक मौजूदा MLA के घर पर बड़े पैमाने पर पुलिस कार्रवाई की ज़रूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या अलूर के BC MLA विरूपाक्षी कोई आतंकवादी हैं? लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए MLA के घर पर रात 2:45 बजे छापा मारने के लिए इतनी बड़ी पुलिस फ़ोर्स तैनात करने की क्या ज़रूरत थी? जिस तरह से पुलिस ने दरवाज़े तोड़कर MLA विरूपाक्षी और उनके बेटे चंद्रशेखर को गिरफ़्तार किया, उससे एक बुनियादी सवाल उठता है: क्या इस राज्य में अभी भी कानून का राज है? गिरफ्तारी से जुड़ी घटनाओं के बारे में बताते हुए जगन ने आरोप लगाया कि MLA को पार्टी के एक कार्यकर्ता की रक्षा करने की वजह से निशाना बनाया गया। पोस्ट में कहा गया कि चिपपागिरी मंडल के नेमाकल्लू गांव में, T D P कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर YSRCP नेता के घर पर हमला किया। अपनी जान के डर से, नेता ने MLA विरूपाक्षी को फोन करके खुद और अपने परिवार के लिए सुरक्षा मांगी। क्या पार्टी कार्यकर्ता की मदद के लिए बुलावा आने पर प्रतिक्रिया देना कोई अपराध है? क्या पीड़ित परिवार का साथ देना कोई जुर्म है? जब विरूपाक्षी परिवार को सांत्वना देने गए, तो TDP कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर उन पर पथराव किया, जिससे उनके भाई श्रीरामुलु घायल हो गए।

भारतीय ग्रेजुएट्स के लिए जापान का दरवाजा खुला JET प्रोग्राम में मौका

जापान एक पॉपुलर देश बन चुका है, जहां पर भारतीय वर्कर्स काम करना पसंद करते हैं। यहां पर कई सारे ऐसे प्रोग्राम हैं, जिनके जरिए भारतीय ग्रेजुएट्स जापान जाकर अपना करियर बना सकते हैं। आज हम ऐसे ही एक प्रोग्राम के बारे में जानेंगे। क्या आप जापान में अपना करियर बनाना चाहते हैं? अगर आपका जवाब हां है, तो फिर आपके लिए एक अच्छी खबर है। जापान में करियर बनाने के लिए JET (जापान एक्सचेंज एंड टीचिंग) प्रोग्राम एक शानदार ऑप्शन है। इसके जरिए भारतीय ग्रेजुएट्स जापान जा सकते हैं। इस प्रोग्राम के जरिए जापान में रहने और काम करने का अवसर मिलता है। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंग्रेजी भाषा की शिक्षा को बढ़ावा भी दिया जाता है। जापान की सरकार 1987 से ही JET प्रोग्राम चला रही है। इसके तहत युवाओं को स्कूलों में असिस्टेंट लैंग्वेज टीचर्स (ALTs) और स्थानीय सरकारी कार्यालयों में कोऑर्डिनेटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस (CIRs) के तौर पर काम करने का मौका मिलता है। JET प्रोग्राम का मकसद युवाओं को जापान के अलग-अलग इलाकों में भेजकर जमीनी स्तर पर इंटरनेशनल समझ को मजबूत करना है। आइए JET प्रोग्राम के बारे में विस्तार से जानते हैं। हाल ही में भारत में स्थित जापानी दूतावास ने 2026 JET प्रोग्राम के तहत चुने गए भारतीयों को जापान विदा किया। इसमें 22 असिस्टेंट लैंग्वेज टीचर्स (ALTs) और 4 कोऑर्डिनेटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस (CIRs) शामिल हैं। मौजूदा वक्त में लगभग 1000 लोकल पब्लिक ऑर्गेनाइजेशन (कॉन्ट्रैक्टिंग संगठन) JET प्रोग्राम के तहत चुने गए लोगों को नौकरी देते हैं। इसमें 46 प्रांत और 18 नामित शहर भी शामिल हैं। JET प्रोग्राम के तहत चुने गए शख्स को क्या काम करना है, इसका फैसला हर एक प्रांत के गवर्नर या शहर-कस्बे के मेयर द्वारा लिया जाता है। हालांकि, प्रोग्राम से जुड़े संगठन मुख्य तौर पर स्थानीय सरकारी प्राधिकरण होते हैं। अगर किसी को प्राइवेट स्कूलों में भी JET प्रोग्राम के तहत चुने गए लोगों की जरूरत होती है, तो उन्हें वहां पर भी तैनात किया जा सकता है। JET प्रोग्राम के लिए सिर्फ वही शख्स अप्लाई कर सकता है, जिसने ग्रेजुएशन पूरा कर लिया है। आवेदक का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। इसे साबित करने के लिए भारतीय पासपोर्ट देखा जाता है।

आवेदक को जापान को लेकर दिलचस्पी होनी चाहिए। वह विदेश में रहने के लिए तैयार हो और उसकी कम्युनिकेशन स्किल भी बेहतरीन होनी चाहिए।

ALT पदों के लिए जापानी भाषा जानना अनिवार्य नहीं है, लेकिन अगर जापानी आती है तो प्राथमिकता मिल सकती है।

CIR पदों के लिए जापानी भाषा आना जरूरी है, जो आमतौर पर जापानी लैंग्वेज प्रोफिसिएंसी टेस्ट (JLPT) N2 के बराबर होती है। असिस्टेंट लैंग्वेज टीचर्स (ALTs) को जापान के प्राइमरी, जूनियर हाई और सीनियर हाई स्कूलों में जापानी टीचर्स के साथ मिलकर काम करना होगा। उनका काम स्टूडेंट्स की अंग्रेजी सुधारने में मदद करना है। इसके साथ-साथ उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं से भी रूबरू करवाना है। कोऑर्डिनेटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस (CIRs) के तौर पर काम करने वाले शख्स को स्थानीय सरकारों को अनुवाद, इंटरप्रिटेशन, अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज प्रोग्राम और पर्यटन से जुड़े कामों में मदद करना होगा। यहां क्लिक कर आप इस पूरे प्रोग्राम के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं।

JPSC रिजल्ट पर बवाल, रांची में हजारों छात्रों का प्रदर्शन

नीट पेपर लीक के बाद दिल्ली के जंतर मंतर पर 36 चले प्रदर्शन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा था। अब झारखंड की राजधानी रांची में जंतर मंतर जैसा प्रदर्शन हो रहा है। हजारों छात्र परीक्षा में धांधली और भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर हैं। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की तरह एक छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठा है। सड़कों पर दिन-रात काट रहे छात्र न्याय की गुहार लगा रहे हैं। छात्रों की मांग और प्रदर्शन की असली वजह को समझना जरूरी है। परीक्षा में धांधली, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताएं... झारखंड में छात्र आंदोलन की असली वजह है। इसकी शुरूआत 5 जुलाई 2026 यानी झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (JPSC) के 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (JPSC 14th CSE PT Result 2026) परिणाम घोषित होने के तीन दिन बाद शुरू हुआ। सरकारी रिजल्ट जारी होने के बाद, उम्मीदवारों ने चार गंभीर आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ियों के विरोध में स्टूडेंट लीडर देवेंद्र नाथ महतो जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, '14वीं प्रीलिमिनरी टेस्ट (PT) का रिजल्ट पिछले महीने की 2 तारीख को आया था - ठीक एक महीने पहले - और यहीं से यह विवाद शुरू हुआ।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय कप्तान शुभमन गिल इतिहास रचने की दहलीज पर

बुमराह बाहर, आकिब नबी की एंट्री; जम्मू-कश्मीर के पहले खिलाड़ी को टीम इंडिया में मौका

भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज की शुरूआत 15 जुलाई से होने वाली है। इस सीरीज के लिए BCCI की सेलेक्शन कमिटी ने टीम का ऐलान कर दिया था। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को श्रीलंका सीरीज के लिए टीम में जगह मिली थी, लेकिन उनका चयन फिटनेस के अधीन हुआ था। हालांकि बुमराह इस सीरीज के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं और वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अब आकिब नबी को अब मौका मिला है। नबी का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में शानदार रहा है। इसी वजह से उन्हें अब इस सीरीज में मौका मिला है।आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में चुना गया है। 29 साल के आकिब ने 2025-26 के रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के केवल 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिसमें उन्होंने सात बार एक ही पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया। अगर पिछले दो रणजी सीजन की बात करें, तो आकिब ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर कुल 104 विकेट चटकाए हासिल किए हैं, जिसमें 2024-25 सीजन के 44 विकेट और 2025-26 सीजन के 60 विकेट शामिल हैं। इस शानदार प्रदर्शन की वजह से अब आकिब नबी की गिनती देश के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में होने लगी है। आकिब नबी ने हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 6 विकेट चटकाए थे, जिसमें एक ही पारी में 4 विकेट हॉल लेना शामिल था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आकिब नबी ने कुल 43 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 71 पारियों में 18.63 की बेहतरीन औसत और 2.90 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट हासिल किए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 16 बार पांच विकेट हॉल और 4 बार 10 विकेट हॉल लेने का कीर्तिमान अपने नाम किया है।

एडेन मार्करम बोले- फैसला टीम मैनेजमेंट पर छोड़ दिया

IPL (इंडियन प्रीमियर लीग) 2027 सीज़न जल्द ही शुरू होने वाला है; टूर्नामेंट के इस 20वें एडिशन में 10 टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। नए सीज़न से पहले, सबकी नज़रें लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) पर टिकी होंगी। अपने कप्तान ऋषभ पंत को टीम से रिलीज़ करने के बाद, टीम के बारे में हर बातचीत उनके अगले कप्तान को चुनने पर केंद्रित है। LSG टीम में कई खिलाड़ी नए IPL सीज़न के लिए कप्तान बनने की दौड़ में हैं, जिनमें दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज़ एडेन मार्करम को ऋषभ पंत की जगह लेने के लिए सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस बारे में बात करते हुए, मार्करम ने कहा कि उन्हें खाली कप्तानी की जगह की कोई चिंता नहीं है और उन्होंने आगामी IPL 2027 के लिए टीम का नया कप्तान चुनने का फैसला LSG के सपोर्ट स्टाफ़ और थिंक टैंक पर छोड़ दिया है। क्रिकइन्फो के अनुसार मार्करम ने कहा कि मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है। वे जो भी सही समझेंगे, वही तय करेंगे। उस ग्रुप में कुछ अच्छे लीडर हैं, इसलिए मुझे इसकी ज़्यादा चिंता नहीं है। जिसे भी यह ज़िम्मेदारी मिलेगी, मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छे से निभाएगा, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई सोच-विचार नहीं हुआ है। ध्यान देने वाली बात है कि मार्करम ने ये बातें 'द हंड्रेड 2026' टूर्नामेंट के दौरान कहीं। टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे मार्करम ने इस कॉम्पिटिशन में खेलने के अपने अनुभव और इसके फ़ॉर्मेट व फ़ायदों के बारे में बात की। मार्करम ने कहा कि इसमें चुनौतियां तो हैं, लेकिन यह बहुत शानदार रहा है। मैंने इसका भरपूर मज़ा लिया है।

टी20 में छक्कों का तूफान! ईशान किशन के निशाने पर सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेट टीम को इस साल कम से कम 14 टी20 मुकाबले खेलने हैं। अगर ईशान किशन इन 14 मैचों में 26 छक्के लगा देते हैं तो वह टी20 इंटरनेशनल में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। ईशान अब तक 41 छक्के लगा चुके हैं। हालांकि इस साल सबसे ज्यादा छक्के वेस्टइंडीज के शिमरन हेटमायर ने लगाए हैं। अब तक उन्होंने 44 छक्के लगाए हैं।इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में भारत के 6 बल्लेबाज शामिल हैं। ईशान किशन जहां 41 छक्के के साथ भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर हैं, तो शिवम दुबे 34, अभिषेक शर्मा 31 और संजू सैमसन 28 छक्के लगा चुके हैं। इस साल सूर्यकुमार यादव 24 और तिलक वर्मा 22 छक्के लगा चुके हैं। सूर्य को टीम इंडिया से बाहर कर दिया गया है, जिनकी कप्तानी में भारत ने 2026 की टी20 वर्ल्डकप का खिताब जीता था। वैभव सूर्यवंशी ने इस साल 6 मैचों में 14 छक्के लगाए हैं वह लिस्ट में काफी पीछे हैं। सूर्यकुमार यादव के नाम ही एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। साल 2022 में पूर्व कप्तान ने 68 छक्के लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था, जो आज भी कायम है। सूर्या के बाद UAE के मोहम्मद वसीम इस रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब 2 बार पहुंच चूके हैं लेकिन दोनों बार वो दूर ही रह गए हैं। 2023 में उन्होंने 54 छक्के लगाए थे तो 2024 में 55 छक्के लगा पाए थे। इस साल पूरी दुनिया के बल्लेबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो फुल मेंबर टीमों में सिर्फ भारत, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बल्लेबाज ही टॉप 10 में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बल्लेबाज टॉप 15 में भी जगह नहीं बना पाया है।

अरुणाचल की तीन बहनों ने 'सुभान अल्लाह' गाकर जीता दिल

पहाड़ों की वादियों में गूंजी सुरीली आवाज

सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों वीडियो अपलोड होते हैं, लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो सीधे लोगों के दिल तक पहुंच जाते हैं. इन दिनों अरुणाचल प्रदेश की तीन बहनों का एक ऐसा ही वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है.

बिना किसी महंगे कैमरे, रिकॉर्डिंग स्टूडियो या म्यूजिक सेटअप के इन बहनों ने बॉलीवुड के सुपरहिट गाने 'सुभान अल्लाह' को अपनी आवाज में गाया और देखते ही देखते लाखों लोगों का दिल जीत लिया.

ये तीनों बहनें इंस्टाग्राम पर सिंगका वांगजेन नाम से अपना अकाउंट चलाती हैं. वे अक्सर बॉलीवुड और दूसरे लोकप्रिय

गानों के कवर वीडियो शेयर करती हैं. उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि उनके ज्यादातर वीडियो अरुणाचल प्रदेश की खूबसूरत पहाड़ियों, हरियाली और धुंध से ढके प्राकृतिक नजारों के बीच रिकॉर्ड किए जाते हैं. यही प्राकृतिक माहौल और उनकी सादगी लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आ रही है.

उदयपुर का वीडियो वायरल

मटकियां क्यों फेंक रहीं महिलाएं?

सोशल मीडिया पर इन दिनों राजस्थान के उदयपुर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

वीडियो में रंग-बिरंगे कपड़े पहने कई महिलाएं सिर पर बड़ी-बड़ी मटकियां लेकर बाजार की ओर जाती दिखाई देती हैं. फिर वे दुकानों के सामने उन मटकियों का गंदा पानी फेंक देती हैं. पहली नजर में यह देखकर कई लोगों को लगता है कि महिलाएं दुकानदारों से नाराज हैं या कोई प्रदर्शन कर रही हैं. लेकिन जब इसकी असली वजह सामने आती है तो लोग हैरान रह जाते हैं. दरअसल, यह किसी तरह का झगड़ा या विरोध नहीं, बल्कि मेवाड़ क्षेत्र की एक सदियों पुरानी लोक परंपरा है. स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसा करने से इंद्र देव

प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है.

यही वजह है कि हर साल मानसून के दौरान इस अनोखी रस्म को पूरे उत्साह के साथ निभाया जाता है. इस परंपरा को लोग किसी त्योहार की तरह मनाते हैं और पूरे शहर में इसका अलग ही माहौल देखने को मिलता है.

परंपरा और आस्था का अनोखा संगम

आज के आधुनिक दौर में भी भारत के कई हिस्सों में ऐसी लोक परंपराएं जीवित हैं, जो सदियों पुरानी मान्यताओं से जुड़ी हुई हैं. उदयपुर का यह वायरल वीडियो भी यही दिखाता है कि यहां के लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते हैं.

टेक की नौकरी छोड़ क्रिएटर बना कपल

35 लाख रुपये सालाना की टेक नौकरी छोड़ने वाले एक कपल का दावा है कि उन्होंने कंटेंट क्रिएशन से तीन साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने अपनी कमाई, ब्रांड डील्स, एफिलिएट मार्केटिंग और दूसरे इनकम सोर्स का पूरा हिसाब बताया.

सोशल मीडिया पर अक्सर लोग पूछते हैं कि आखिर कंटेंट क्रिएटर्स की कमाई कितनी होती है. अब एक कपल ने इस सवाल का जवाब अपनी पूरी इनकम डिटेल्स के साथ दिया है.

टेक सेक्टर की लाखों रुपये की नौकरी छोड़ने वाले इस कपल का दावा है कि उन्होंने कंटेंट क्रिएशन से तीन साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की. मुस्कान मित्तल और आशीष गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी टेक जॉब से लेकर फुल-टाइम कंटेंट क्रिएटर बनने तक का सफर बताया.

उनका कहना है कि पिछले तीन साल में हजारों लोगों ने उनसे पूछा कि वे ट्रैवल और कंटेंट क्रिएशन का खर्च कैसे उठाते हैं. इसी वजह से उन्होंने पहली बार अपनी कमाई का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया. वीडियो में आशीष गुप्ता ने बताया कि कंटेंट क्रिएशन शुरू करने से पहले वह डेटा एनालिस्ट थे और उनकी इन-हैंड सैलरी करीब 12 लाख रुपये सालाना थी.

वहीं मुस्कान मित्तल सॉफ्टवेयर डेवलपर थीं और उन्हें करीब 23 लाख रुपये सालाना मिलते थे. यानी दोनों की संयुक्त सालाना आय करीब 35 लाख रुपये थी. ऐसे

वीडियो हो रहा वायरल

मुस्कान और आशीष का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. कई यूजर्स उनकी पारदर्शिता की तारीफ कर रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि कंटेंट क्रिएशन में इतनी सफलता हर किसी को नहीं मिलती. फिलहाल, कपल की ओर से साझा किए गए इनकम के आंकड़ों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं हुआ है.

हुई कंटेंट क्रिएशन की शुरुआत कपल के मुताबिक, मई 2023 में उन्होंने ट्रैवल से जुड़े वीडियो बनाना शुरू किया. वियतनाम ट्रिप का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे 20 हजार से ज्यादा व्यूज मिले. इसके बाद उन्होंने नियमित रूप से ट्रैवल, रिलेशनशिप और हेल्थ से जुड़ा कंटेंट पोस्ट करना शुरू कर दिया.

करीब एक दशक से चल रही कानूनी लड़ाई अब अपने सबसे बड़े मोड़ पर पहुंचती दिख रही है. अमेरिकी हेल्थकेयर कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) ने घोषणा की है कि वह अपने बेबी पाउडर और अन्य टैल्क उत्पादों को लेकर दायर हजारों मुकदमों के निपटारे के लिए 5.5 अरब डॉलर (करीब 52 हजार करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी. हालांकि, सबसे अहम बात यह है कि कंपनी ने यह नहीं माना है कि उसके टैल्क उत्पादों से कैंसर होता है. जेएंडजे का कहना है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं.

कंगना रनौत का ट्रोलर्स को जवाब, बोलीं- 'मुझे अपनी विचारधारा चुनने की आजादी क्यों नहीं?'

एक्टर और BJP सांसद कंगना रनौत पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। पिछले कुछ दिनों से सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर एक्ट्रेस अपनी नाराजगी जताती आ रही हैं। हाल ही में कंगना रनौत ने लिबरल्स पर तंज कसते हुए अपनी बचपन की यादें साझा की थीं। अब कंगना ने उन लोगों को जवाब दिया है जो पार्टी करने और फिल्म प्रमोशन के उनके पुराने वीडियो को शेयर करते हुए उन्हें निशाने पर ले रहे हैं। कंगना ने इस वीडियो में साफ शब्दों में कहा कि उन्हें अपने फैसले लेने का वैसे ही अधिकार है, जैसे अन्य लोगों को है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में कंगना ने 'संघी' बनने की इच्छा जाहिर करते हुए 'जागरूक' हिंदू बनने के अपने फ़ैसले का बचाव किया। कंगना कहती हैं- 'मैं पारलियामेंट के लिए लेट हो रही हूं, लेकिन फिर भी मैंने सोचा कि आपके साथ अपनी कुछ फीलिंग्स शेयर करूं। मैं सुबह एक पोस्ट शेयर कर रही थी, इंडस्ट्री की हमारी एक बहन हैं। हमने इंडस्ट्री में ऐसी बहुत सी हिंदू लड़कियां देखी हैं, हम उनके साथ संपर्क में रहे हैं और बहुत क्लोजली काम किया है। हम देखते हैं कि, हैं वो हिंदू, लेकिन पॉलिटिक्स चाहे धर्म हो, किसी को को लेकर उनकी कोई विचारधारा नहीं है। युवाओं में ये आम है। लेकिन, जैसे ही वो दोस्ती कह लीजिए, शादी कह लीजिए, रिलेशनशिप कह लीजिए... जैसे ही वो किसी इस्लामिस्ट के संपर्क में आते हैं, वैसे ही उनकी सोच इतनी डिफाइन्ड हो जाती है, इतने कट्टरपंथी वो बन जाते हैं, मुझे लगता है कि इसमें कोई नुकसान नहीं है। क्योंकि, संविधान आपको ये आजादी देता है। आप जो चाहें उस तरह की आइडियोलॉजी को अडॉप्ट कर सकते हैं।' कंगना आगे कहती हैं- 'लेकिन जो प्रॉब्लम की बात है लेकिन जब हिंदू बेटियों की बात आती है क्योंकि आज मैं अपने आपको डिफेंड नहीं करूंगी। मैं नहीं कहूंगी कि जी मैं मैंने आइटम नंबर्स के खिलाफ या पेपरिटी के खिलाफ या कभी बड़ी-बड़ी फिल्मों में काम नहीं किया। हीरोज के खिलाफ मैंने जो है वो बहिष्कार किया। मैंने नेपोटिज्म के खिलाफ लड़ाई ली। आप मुझे ऐसा कैसे कह सकते हैं। हां मैं एक मॉडरेट हिंदू थी। आज अगर मैंने खुद को डिफेंड कर लिया तो इतनी ना जाने कितनी बेटियां जो ये जिसे कहते हैं कि लीप नहीं ले पाएंगी।' कंगना ने कहा- 'हां मैं मॉडरेट हिंदू थी। आज इसी वक्त मुझे जो है जो तुम कब से संघी बन गए? मुझे संघी बनना है। आरएसएस की आईडियोलॉजी जिसे एक बनना है। मुझे कन्वर्ट होना है। मैं क्यों नहीं तो ये जो दोगलापन है समाज का जब हिंदू आती है तो जो समाज के ठेकेदार है वो एक अग्नि 10 साल पुराने तुम तो पार्टी करती थी। तुम तो ये सब कुछ करती थी, लेकिन आज मुझे भी कन्वर्ट मुझे जो है एक डिफाइंड और एक हिंदू बनना है। तो मेरे लिए वो रास्ता है? तो ये जो है यह एक दोगली सोच दोगली विचार नहीं चलेंगे और की आप लोग मुझे बताइएगा मेरी र कैसे विचार फाइन हो सकते हैं और आई जस्ट फील दैट हमारी बेटियों को भी वह आजादी होनी चाहिए अगर उनको कन्वर्ट होना है डिफाइंड और डिसिप्लिंड हिंदू में व्हाई नॉट।'

मुझे तंज किया जाता है मुझे जो है बीजेपी अवेकंड हिंदू मुझे कन्वर्ट हो सकती? बेटियों की बात परीक्षा के लिए हमारे करती थी। ठीक है? मैं होना है। और अवेकंड क्यों बंद और बा औ

योगी आदित्यनाथ का विपक्ष पर हमला: राम मंदिर, भर्ती और किसानों के मुद्दे पर सरकार की प्राथमिकताएं गिनाईं

योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में किसानों और युवाओं को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार नई योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह विकास, रोजगार, किसानों के कल्याण और प्रदेश की प्रगति जैसे मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करे और जनता के हित में सहयोगात्मक भूमिका निभाए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग आज राम मंदिर के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अपने अतीत को भी याद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन राजनीतिक दलों के नेता आज राम मंदिर को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, उनके शासनकाल में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई गई थीं और वर्षों तक भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण का विरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता इतिहास को अच्छी तरह जानती है और अब वह विकास, सुशासन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को प्राथमिकता देने वाली सरकार के साथ खड़ी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण देश की आस्था, संस्कृति और करोड़ों लोगों की भावनाओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल आज भी जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों में लगातार जुटी हुई है।योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में किसानों और युवाओं को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार नई योजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश के विकास में किसानों और युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि आउटसोर्स भर्ती निगम के माध्यम से अगले सप्ताह से भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और प्रभावी बनेगी, जिससे योग्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराई जाए ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने विपक्ष से भी सकारात्मक राजनीति करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में स्वस्थ बहस और रचनात्मक सुझावों का हमेशा स्वागत होना चाहिए, लेकिन केवल नकारात्मकता फैलाने से प्रदेश और देश का हित नहीं हो सकता। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह विकास, रोजगार, किसानों के कल्याण और प्रदेश की प्रगति जैसे मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करे और जनता के हित में सहयोगात्मक भूमिका निभाए।

इंटरनल असेसमेंट में कम अंक दिए जाने के विरोध में ABVP और सपा छात्र सभा से जुड़े छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को इंटरनल असेसमेंट में कम अंक दिए जाने के विरोध में ABVP और सपा छात्र सभा से जुड़े छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। ABVP से जुड़े छात्रों ने गेट नंबर 3 के पास चीफ प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी का घेराव करके जोरदार नारेबाजी की। उनकी चीफ प्रॉक्टर से तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे के दौरान एक छात्र बेहोश हो गया। छात्रों और सुरक्षाकर्मियों ने उसके चेहरा पर पानी के छींटे मारकर उसे संभाला। गुस्साए छात्र अर्थशास्त्र विभाग का घेराव करके एचओडी के चैंबर में घुस गए। छात्रों ने कहा कि एचओडी चैंबर छोड़कर भाग गए।v इस पर उन लोगों ने उनकी कुर्सी पर फूलों की माला चढ़ाई। उनके चैंबर पर कब्जा कर लिया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा हुआ। वहीं, सपा छात्र सभा से जुड़े छात्रों ने प्रशासनिक भवन के बाहर प्रदर्शन किया। ABVP से जुड़े छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 से प्रदर्शन शुरू किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि इंटरनल असेसमेंट में कई छात्रों को अपेक्षा से कम अंक दिए गए हैं, जिससे उनके अंतिम परिणाम पर असर पड़ रहा है। छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की। छात्रों ने इंटरनल असेसमेंट के अंकों की समीक्षा कर निष्पक्ष मूल्यांकन कराने की मांग की। छात्रों का आरोप है कि इंटरनल असेसमेंट में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को बेहद कम अंक दिए गए हैं और परिणाम भी करीब एक महीने की देरी से जारी किए गए। छात्रों के मुताबिक 31 जुलाई को जारी इंटरनल असेसमेंट के परिणाम में अर्थशास्त्र विभाग के 265 छात्रों को 25 में से 5 से भी कम अंक दिए गए। विभागाध्यक्ष से मिलने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने मुलाकात नहीं की।

लखनऊ के महानगर इलाके के पंचमुखी हनुमान मंदिर में बीती रात चोरी हो गई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के महानगर इलाके के बीरबल साहनी मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध श्री संकट हरन पंचमुखी हनुमान मंदिर में बीती रात चोरी हो गई। बेखौफ चोरों ने मंदिर के चैनल का ताला तोड़कर राम, लक्ष्मण, माता सीता, भगवान गणेश और पंचमुखी हनुमान जी की मूर्तियों के नौ चांदी के मुकुट और तीन छत्र पार कर दिए। शातिर चोर सबूत मिटाने के लिए अपने साथ CCTV कैमरों का DVR भी ले गए हैं। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का खुलासा शनिवार 3 अगस्त की सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ जब मंदिर के पुजारी दिनेश कुमार दीक्षित पूजा-पाठ के लिए पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर के चैनल पर लगे तीनों ताले टूटे हुए थे और नीचे पड़े थे। किसी अनहोनी की आशंका से जब वह अंदर गए तो शटर भी थोड़ा उठा हुआ था। गर्भगृह में जाने पर उन्होंने देखा कि भगवान गणेश, राम, लक्ष्मण, माता सीता और पंचमुखी हनुमान जी की मूर्तियों से चांदी के सभी मुकुट और छत्र गायब थे। पंचमुखी हनुमान जी के पांचों सिर पर लगे मुकुट भी चोर ले उड़े। पुजारी ने तुरंत इस बड़ी घटना की जानकारी मंदिर के संस्थापक आरपी शर्मा उनके बेटे पवन कुमार शर्मा और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और साक्ष्य जुटाए। मंदिर प्रबंधन के अनुसार चोरी हुए मुकुट और छत्र की कीमत करीब 36 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने जब सीसीटीवी

फुटेज खंगालने की कोशिश की तो पता चला कि चोर DVR भी अपने साथ ले गए हैं। अब पुलिस मंदिर के आसपास के रास्तों में लगे अन्य कैमरों की फुटेज चेक कर रही है। स्थानीय लोगों में इस पंचमुखी हनुमान मंदिर की गहरी आस्था है। सामान्य दिनों में यहां हर रोज करीब 200 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं जबकि मंगलवार के दिन यह संख्या पंद्रह सौ से दो हजार तक पहुंच जाती है। यही वजह है कि मंदिर के कपाट सुबह 5:30 बजे खुल जाते हैं और दोपहर 12 बजे तक दर्शन होते हैं। इसके बाद शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर भक्तों के लिए दोबारा खुलता है। रात 10 बजे कपाट बंद होने के बाद ही चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

टक्कर से नाराज कांवड़ियों ने स्कूल वैन पर किया पथराव

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्ति का माहौल रहता है, लेकिन कुछ शरारती तत्व इस माहौल को खराब करने की कोशिश भी करते हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां चौक थाना क्षेत्र के चरक चौराहे पर स्कूल वैन और कांवड़ियों की वेशभूषा में जा रहे युवकों की बाइक टकरा गई। आरोप है कि इसके बाद युवकों ने हंगामा करते हुए स्कूल वैन पर पथराव कर दिया, जिससे वैन के शीशे टूट गए और अंदर बैठे बच्चे बुरी तरह घबरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चरक चौराहे पर बाइक सवार युवकों और स्कूल वैन चालक के बीच मामूली टक्कर के बाद कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते कांवड़ियों के वेश में मौजूद इन उपद्रवियों ने डंडों और पत्थरों से स्कूल वैन पर हमला बोल दिया। हमले में वैन के शीशे चकनाचूर हो गए। गनीमत यह रही कि वैन के अंदर मौजूद किसी भी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा होने लगी जिसे देखकर उपद्रवी वहां से भाग निकले। घटना के समय मौके पर मौजूद मोहित कश्यप नाम के एक चश्मदीद ने बताया कि कांवड़ियों के वेश में आए इन उपद्रवियों ने मामूली टक्कर के बाद जमकर हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन युवकों ने वैन में बैठे मासूम बच्चों को बेहद गंदी गालियां दीं और अभद्रता की। इसके बाद उन्होंने वैन पर पथराव कर दिया जिससे शीशे टूट गए। इस पूरी घटना का एक राहगीरों ने वीडियो भी बना लिए जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जब चौक थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय से मामले की जानकारी ली गई तो उन्होंने पथराव की किसी भी घटना से साफ इनकार कर दिया।

चेहल्लुम के मौके पर 4 अगस्त को निकलने वाले पारंपरिक जुलूस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ पुलिस ने चेहल्लुम के मौके पर 4 अगस्त को निकलने वाले पारंपरिक जुलूस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। जुलूस में करीब 40 से 50 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। जुलूस चौक स्थित नाजिम शाह इमामबाड़ा से शुरू होकर शहर के अलग-अलग रास्तों से होते हुए कर्बला तालकटोरा पहुंचेगा। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने पूरे पश्चिमी जोन को 5 जोन और 18 सेक्टर में बांटा है। सभी प्रमुख रास्तों और जुलूस के पड़ावों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस का फोकस भीड़ को नियंत्रित करने और जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने पर रहेगा। चेहल्लुम का जुलूस चौक थाना क्षेत्र के नाजिम शाह इमामबाड़ा (विक्टोरिया स्ट्रीट) से शुरू होगा। यह मेफेयर तिराहा, नक्खास, तुड़ियागंज तिराहा, बिल्लौचपुरा, बाजारखाला, कर्बला पुत्तनशाह, हैदरगंज तिराहा, बुलाकी अड्डा और एवरेडी तिराहा होते हुए कर्बला तालकटोरा पहुंचकर संपन्न होगा। पुलिस ने जुलूस की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ 10 कंपनी पीएसी, अर्द्धसैनिक बल और वायरलेस यूनिट तैनात की है। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी और प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी पुलिस उपाधीक्षक या निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके अलावा क्लस्टर मोबाइल, QRT, डायल-112 की बाइक और पीआरवी लगातार गश्त करती रहेंगी।

उन्नाव में 589 वक्फ संपत्तियां सरकारी जमीन पर दर्ज कार्रवाई के आदेश का इंतजार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में वक्फ संपत्तियों के सत्यापन के दौरान सरकारी सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर दर्ज मिली 589 संपत्तियों का मामला एक बार फिर चर्चा में है। शासन के निर्देश पर 9 जनवरी 2025 को तत्कालीन जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जिले में दर्ज वक्फ संपत्तियों का सत्यापन कराया था। राजस्व विभाग की जांच में जिले की सभी छह तहसीलों में कुल 1,803 वक्फ संपत्तियां दर्ज मिलीं। इनमें से 589 ऐसी संपत्तियां सामने आईं, जो सरकारी सार्वजनिक उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज थीं। इन संपत्तियों की सत्यापन रिपोर्ट फरवरी 2025 में शासन को भेज दी गई थी, लेकिन अब तक इन्हें खाली कराने को लेकर शासन स्तर से कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं मिलने के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी है।तत्कालीन जिलाधिकारी के निर्देश पर वक्फ संपत्तियों की सूची और गजट नोटिफिकेशन के आधार पर संबंधित भू-अभिलेखों का मिलान कराया गया था। राजस्व विभाग ने वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड की तुलना सार्वजनिक और सरकारी भूमि से जुड़े दस्तावेजों से की। इस प्रक्रिया में कब्रिस्तान, दरगाह सहित अन्य श्रेणियों में दर्ज 589 संपत्तियां ऐसी पाई गईं, जो सरकारी सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर दर्ज थीं।तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक 255 ऐसी संपत्तियां सफीपुर तहसील क्षेत्र में मिलीं। इसके बाद सदर तहसील क्षेत्र में 161 और पुरवा में 156 संपत्तियां सरकारी भूमि पर दर्ज मिलीं। बांगरमऊ तहसील में 14, हसनगंज में 2 और बीघापुर तहसील में एक ऐसी संपत्ति सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार इन संपत्तियों की कुल कीमत करोड़ों रुपये में बताई जा रही है।जिले में दर्ज कुल 1,803 वक्फ संपत्तियों में 1,762 सुन्नी और 41 शिया संपत्तियां शामिल हैं। सत्यापन के बाद सरकारी भूमि पर दर्ज मिली संपत्तियों को लेकर अब आगे की कार्रवाई शासन के निर्देश पर निर्भर है। करीब एक वर्ष बीतने के बावजूद इस संबंध में कोई नया आदेश नहीं आने से मामला फिलहाल लंबित है।इस मुद्दे पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी स्पष्ट रुख अपनाया है। सांसद डॉ. साक्षी महाराज और सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि अवैध कब्जा किसी भी संस्था, संगठन या व्यक्ति का हो, उसे हटाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर करीब एक वर्ष पहले वक्फ संपत्तियों का सत्यापन कर रिपोर्ट भेजी गई थी। इसके बाद जमीन खाली कराने या दोबारा सत्यापन से संबंधित कोई आदेश शासन से प्राप्त नहीं हुआ है। उनका कहना है कि शासन की ओर से जैसे ही कोई नया निर्देश मिलेगा, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव: चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, आईसीयू में भर्ती; प्रतिबंध के बावजूद बिक्री पर उठे सवाल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की वजह से एक और गंभीर हादसा हो गया। बुधवार शाम 6 बजे हरदोई पुल पर बाइक से गुजर रहे एक युवक की गर्दन चाइनीज मांझे की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और आईसीयू में इलाज चल रहा है। सदर कोतवाली पुलिस के अनुसार, हरदोई पुल पर बाइक सवार युवक की गर्दन मांझे से कटने की सूचना मिली थी। घायल की पहचान शहर के कल्याणी देवी मोहल्ला निवासी 42 वर्षीय सिराज अहमद पुत्र मोहम्मद रजा के रूप में हुई है। बताया गया कि वह बाइक से हरदोई पुल पार कर रहे थे, तभी सड़क पर फैले प्रतिबंधित चाइनीज मांझे में उनकी गर्दन उलझ गई और गहरा घाव हो गया। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद राहगीर आकाश यादव ने तुरंत बाइक रुकवाई और गंभीर रूप से घायल सिराज अहमद को दरोगा बाग स्थित आशा अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें आईसीयू में भर्ती कर लिया। डॉक्टरों के अनुसार गर्दन पर गहरा घाव होने के कारण उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। इस हादसे के बाद शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की खुलेआम बिक्री और उसके इस्तेमाल को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की रोक के बावजूद बाजारों में चाइनीज मांझा आसानी से उपलब्ध है, जिसके कारण आए दिन लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं।

कंगना के बयान के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर, पुतला फूंक जताया विरोध

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के मोहान कस्बे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मधु रावत के नेतृत्व में कंगना रनौत का पुतला फूंका गया। यह प्रदर्शन कंगना रनौत द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले युवक-युवतियों पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में किया गया। मधु रावत ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि कंगना रनौत अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। रावत ने चेतावनी दी कि यदि माफी नहीं मांगी जाती है, तो कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मधु रावत के साथ महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लखनऊ मीना रावत, कन्हैया कुरील, हुब्लाल, हर्षित, नयन, मोतीलाल कन्नौजिया, सुबराती, कमल किशोर, चांद बाबू और गोला रावत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा, कानपुर के घाटों पर बैरीकेड्स लगाए गए

गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। शुक्लांगज में नमामिगंगे घाट की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वहीं, कानपुर में जलस्तर तेजी से बढ़ता देख अटल घाट समेत कई घाटों में बैरीकेड्स और रस्सी लगा दी गई है। गंगा किनारे स्थित गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। शुक्लागंज में पानी बीते 24 घंटों में 56 सेंटीमीटर और बढ़ गया है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार बीते शनिवार को शाम छह बजे गंगानदी का जलस्तर 110.670 मीटर रिकार्ड किया गया था। जो रविवार को शाम छह बजे तक 56 सेंटीमीटर और बढ़कर 111.230 मीटर पहुंच गया है। गंगानदी का पानी फिर से नमामिगंगे घाट की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। बता दें कि शुक्लागंज में गंगा का चेतावनी बिंदु 112.000 मीटर व खतरे का निशान 113.000 मीटर पर है।गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से अभी 77 सेंटीमीटर दूर है।जलस्तर बढ़ने से गंगा किनारे बसे मिश्रा कालोनी, गोताखोर, सीताराम कालोनी, बालूघाट, मनोहरनगर, इंदिरानगर, शक्तिनगर, बहादुर बगिया, गंगानगर, रविदासनगर आलमनगर आदि मुहल्लों में रहने वाले लोगों की धड़कनें फिर तेज हो गई हैं। लोग परेशान होने लगे हैं। फिलहाल अभी गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 77 सेंटीमीटर दूर है। वहीं, खतरे के निशान से एक मीटर 77 सेंटीमीटर दूर है। क्षेत्रीय लेखपाल प्रशांत अवस्थी ने बताया कि प्रशासन सतर्क है। जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। नाविकों और गोताखोरों को सतर्क कर दिया गया है। नरोरा बांध से इस साल अभी तक सबसे ज्यादा गंगा जल 1,72, 721 क्यूसेक छोड़ा गया है। 31 जुलाई को 1,63, 181 क्यूसेक जल छोड़ा गया था। जलस्तर तेजी से बढ़ता देख अटल घाट समेत कई घाटों में बैरीकेड्स और रस्सी लगा दी गई है। गंगा किनारे स्थित गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता पंकज गौतम ने बताया कि लगातार गंगा के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है।

उन्नाव में रिटायर्ड दारोगा की गोली लगने से मौत लाइसेंसी बंदूक से हुआ हादसा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के पीडी नगर मोहल्ले में रविवार देर रात एक सेवानिवृत्त दारोगा की गोली लगने से मौत हो गई। घटना रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय रामजीत ने अपनी लाइसेंसी एकनाली बंदूक से खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में उन्हें कानपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बंदूक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।रामजीत मूल रूप से कन्नौज जिले के गुरसहायगंज क्षेत्र के रउतामई गांव के रहने वाले थे। वह वर्ष 2021 में पुलिस की एलआईयू शाखा से दारोगा पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह लंबे समय से उन्नाव के पीडी नगर में अपने बेटे अभिषेक के साथ रह रहे थे। बताया जा रहा है कि कुछ वर्ष पहले पत्नी की मृत्यु के बाद से वह परेशान रहते थे। बेटे के अनुसार, रामजीत बीमार भी रहते थे और मानसिक तनाव से जूझ रहे थे।बेटे अभिषेक ने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे पिता ने खाना खाया और इसके बाद अपने कमरे में सोने चले गए। करीब डेढ़ घंटे बाद रात 11:30 बजे कमरे के अंदर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर अभिषेक तुरंत कमरे में पहुंचा तो पिता गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े थे। इसके बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कानपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया।सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। कमरे से रामजीत की लाइसेंसी एकनाली बंदूक बरामद हुई, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।सीओ विनी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सदर कोतवाल चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि रामजीत बीमार रहते थे। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि गोली किस स्थिति में चली। फिलहाल पुलिस फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

उन्नाव: गंगाघाट पुलिस ने साइबर ठगी की शिकार महिला के ₹7,490 कराए वापस

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

यूपी में 4200 करोड़ से चार साल में बनकर तैयार हुए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के कहीं धंसने, फटने अथवा जर्क आने की समस्याएं लगातार आ रही है। यह स्थिति उद्घाटन के बाद 14 जुलाई से लगातार बनी हुई है। निर्माण एजेंसी एक जगह सड़क सही करती है तो दूसरी जगह कोई खामी आ जाती है। रविवार को पांचवी बार आई खामी में एक्सप्रेसवे की उन्नाव से लखनऊ लेन के किमी संख्या 64 पर सड़क धंस गई। लगभग 60 मीटर क्षेत्र में आई इस खामी को दूर करने के लिए एजेंसी ने यहां से आगे पांच किमी तक लेन पर वाहनों का आवागमन रोकते हुए लखनऊ-उन्नाव लेन पर रूट डायवर्जन कर रखा है। प्रोजेक्ट मैनेजर पीएनसी वी कुंडू का दावा है कि रविवार को ही धंसी सड़क को सही कर देर शाम तक लेन यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद रूट डायवर्जन समाप्त कर दिया जाएगा। पांच दिन पहले कोरारी टोल से किमी संख्या 30.7 पर सड़क धंसने की समस्या आई थी। इसे सही करने को निर्माण एजेंसी ने दो दिन तक काम किया था। उस समय भी एक दिन लेन पांच किमी तक बंद रखी गई थी। इसी स्थान पर शनिवार को भी सड़क किनारे बची खामियों को दुरुस्त करने का काम एजेंसी के इंजीनियरों ने मौके पर मौजूद रहकर सही करवाया है।

यूपी विधानसभा के मानसून सत्र में हंगामा छात्रों और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भी साफ किया कि विपक्ष विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरने की तैयारी में है। उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे सनातन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और यह भी गंभीर विषय है, जिसे सदन में उठाया जाएगा। कानून-व्यवस्था, छात्रों से जुड़े विवाद, कथित पुलिस कार्रवाई और विधानसभा की परंपराओं जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार से जवाब मांग सकता है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव के संकेत साफ दिखाई देने लगे हैं। सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी ने छात्रों पर कथित कार्रवाई, सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले और सदन की परंपराओं समेत कई मुद्दों को लेकर योगी सरकार पर सवाल खड़े किए। विपक्ष ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में इन मुद्दों को सदन के भीतर जोर-शोर से उठाया जाएगा।लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, बल्कि उन लोगों पर हमला है जो सरकार की नीतियों और उसके कामकाज पर सवाल उठाते हैं। रागिनी सोनकर ने इस मामले में सरकार से जवाब मांगने की बात कही।सपा विधायक ने सीजेपी प्रदर्शन के दौरान छात्रों और युवाओं पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उनका आरोप है कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल थीं और उनके सवालों का जवाब देने के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। रागिनी सोनकर ने कहा कि यदि सरकार के पास छात्रों की मांगों और सवालों का जवाब है, तो उसे संवाद के जरिए अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष और प्रदर्शन कर रहे युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने भी साफ किया कि विपक्ष विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरने की तैयारी में है। उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे सनातन समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और यह भी गंभीर विषय है, जिसे सदन में उठाया जाएगा।माता प्रसाद पांडेय ने विधानसभा की पुरानी परंपराओं का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना है कि पहले किसी मौजूदा विधायक के निधन पर सदन में शोक प्रस्ताव लाकर श्रद्धांजलि देने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार इसका पालन नहीं किया गया। विपक्ष इस मुद्दे को भी विधानसभा में उठाने की तैयारी में है।मानसून सत्र के पहले दिन ही जिस तरह विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला है, उससे साफ है कि आगे सदन में हंगामा बढ़ सकता है। कानून-व्यवस्था, छात्रों से जुड़े विवाद, कथित पुलिस कार्रवाई और विधानसभा की परंपराओं जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार से जवाब मांग सकता है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि सरकार इन आरोपों का सदन में क्या जवाब देती है और क्या सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच किसी मुद्दे पर सहमति बन पाती है।

सीतापुर में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर दो कांवड़ियों की मौत

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में सोमवार को जलाभिषेक के लिए जल लेने जाते समय दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें डीजे वाहन से जल लेने जा रहे कांवड़ियों का वाहन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से दो कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कांवड़िया गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर ग्रामीणों सहित पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से झुलसे हुए तीनों कांवड़ियों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस हादसे के बाद प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। वहीं हादसे को लेकर पुलिस विभाग कांवड़ियों की मौत होने से इन्कार कर रहा है। एएसपी दुर्गेश सिंह का कहना है कि मौत होने वालों में वाहन स्वामी के साथ उसके हेल्पर शामिल हैं। वाहन कांवड़ को लेकर प्रचार प्रसार कर रहा था। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। हादसा थानगांव थाना क्षेत्र में हुआ। बताते चलें कि थाना क्षेत्र के ग्राम चेहापुरवा का रहने वाला गुड्डू यादव और ग्राम धौरा निवासी संतोष यादव अन्य कावड़ियों के साथ चलहारी घाट जल लेने जा रहे थे। बताते हैं कि डीजे वाहन राजापुर गांव के पास से गुजर रहा था। इस दौरान डीजे का साउंड हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और पूरे डीजे में करंट फैल गया। हादसे में गुड्डू यादव और संतोष यादव की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कांवड़िया गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना मिलते ही थानगांव पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को रेउसा स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है।

कानपुर में एक पेंट व्यापारी का शव उसके कमरे से बरामद किया गया

जिले के बर्रा थाना क्षेत्र के विश्व बैंक कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक पेंट कारोबारी का शव उनके घर के कमरे में बिस्तर पर मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अनुराग बघेल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर बर्रा पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही निकाला जाएगा।पुलिस के अनुसार अनुराग बघेल बर्रा विश्व बैंक के ए-1 ब्लॉक स्थित अपने मकान में अकेले रहते थे और पेंट के कारोबार से जुड़े थे। उनकी पत्नी प्रियंका करीब छह माह पहले दोनों बच्चों हंस और चित्रांशी की पढ़ाई के लिए दिल्ली चली गई थीं। तब से अनुराग कानपुर में अकेले रहकर कारोबार संभाल रहे थे। मृतक के छोटे भाई चेतन बघेल ने बताया कि अनुराग से परिवार का नियमित संपर्क रहता था। उनकी पत्नी बच्चों की शिक्षा के कारण दिल्ली में रह रही थीं, जबकि अनुराग अपने व्यवसाय के चलते कानपुर में ही रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक अनुराग को आखिरी बार 30 जुलाई की शाम उनके छोटे भाई की पत्नी देवेंद्री ने घर के बाहर टहलते हुए देखा था। इसके बाद से वह किसी की नजर में नहीं आए। सोमवार दोपहर मकान की पहली मंजिल पर किराए पर रहने वाली युवती को नीचे के हिस्से से दुर्गंध आने लगी। संदेह होने पर उसने अनुराग के कमरे की ओर जाकर देखा तो दरवाजा खुला मिला। कमरे के भीतर बिस्तर पर अनुराग का शव पड़ा था। इसके बाद उसने तत्काल पड़ोसियों, छोटे भाई और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बर्रा थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। शुरुआती जांच में कमरे में किसी तरह के संघर्ष या जबरन प्रवेश के संकेत नहीं मिले हैं।

मुख्तार अंसारी गैंग पर गाजीपुर पुलिस का बड़ा एक्शन शूटर अंगद राय की 9.30 करोड़ की संपत्ति कुर्क

उत्तर प्रदेश की गाजीपुर पुलिस ने मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़े सहयोगियों को अपनी रडार पर लंबे समय से ले रखा है। सोमवार को गैंग के प्रमुख शूटर अंगद राय उर्फ झूलन राय के संपत्ति कुर्क की गई। कुर्क संपत्ति की बाजार में कीमत 9 करोड़ 30 लाख आंकी गई है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के बाद हुई है। यह कानूनी कार्रवाई पुलिस और प्रशासन की निगरानी में संपन्न हुई। पुलिस और राजस्व विभाग की जॉइंट टीम ने संपत्ति को कुर्क किए जाने की नोटिस प्रॉपर्टी पर चस्पा की। इसके साथ ही मौके पर मुनादी भी कराई गई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अंगद राय लंबे समय तक मुख्तार अंसारी गिरोह का सक्रिय सदस्य और शूटर रहा है। अंगद के खिलाफ गाजीपुर कोतवाली में गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज है। कोर्ट का आदेश भी इस मुकदमे के क्रम में जारी हुई है। अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की पहचान होने के बाद यह कुर्की की कार्रवाई हुई है। पुलिस का मानना है कि इस अभियान का उद्देश्य गैंग के आर्थिक नेटवर्क को पूरी तरीके से खत्म करना है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मुख्तार गैंग से संबंधित कुछ अन्य संपत्तियों पर भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इस कुर्की के संबंध में चस्पा की गई नोटिस में साफ लिखा गया है कि संबंधित संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के प्रावधानों के तहत कुर्क की गई है। कोर्ट के आदेश के बिना इस संपत्ति की खरीद बिक्री, हस्तांतरण, कब्जा, परिवर्तन या किसी प्रकार का लेन-देन अपराध होगा। अगर कोई इस प्रॉपर्टी से संबंधित किसी प्रकार कोई भी लेन-देन करता है तो वह खुद इसके लिए जिम्मेदार होगा।